...*(Interruptions)*... Let everyone cooperate to see that the House functions smoothly and wisely. ...*(Interruptions)*... Now, Shri Harivansh.

MATTERS RAISED WITH PERMISSION

Need to save the village and memorial of Shri Jai Prakash Narayan

श्री हरिवंश (बिहार): माननीय चेयरमैन साहब, मैं आपका आभारी हूं कि आपने मुझे यह मुद्दा उठाने का अवसर दिया। मेरा आग्रह जेपी के गांव को बचाने के लिए है। जयप्रकाश जी का गांव, सिताब दियारा, देश के बड़े और चुनिंदा गावों में से एक है। इसमें कुल 27 टोले हैं। बड़ी आबादी का यह गांव, अब जयप्रकाश नगर के नाम से भी जाना जाता है। यह गांव दो राज्यों, उत्तर प्रदेश और बिहार की सीमा पर स्थित है। यह तीन जिलों, आरा, छपरा और बलिया में बंटा हुआ है। यह गांव दो नदियों, गंगा और घाघरा के बीच बसा है, इसलिए इसे दियारा कहा गया है। यहां आने-जाने का कोई रास्ता नहीं था। न्यूनतम 10 से 15 किलोमीटर पैदल चल कर वहां पहुंचा जा सकता था।

महोदय, माननीय चन्द्रशेखर जी के अकेले के प्रयासों से वर्ष 1984-85 में यहां एक बांध बना, जिसका बड़ा हिस्सा उत्तर प्रदेश में है और शेष बिहार में है। बिहार सरकार ने लगातार चौकस बंदोबस्त किया, लेकिन उत्तर प्रदेश की ओर से घाघरा के कटाव से बांध किसी भी पल गिर सकता है और इस गांव में आने-जाने का एकमात्र रास्ता कभी भी रुक सकता है। बांध से अब नदी केवल 100 मीटर दूर है। पिछले दो-तीन वर्षों में तीन बार यह मामला सदन में उठा कि केन्द्र सरकार पहल करे और साथ ही उत्तर प्रदेश सरकार को निर्देश दे कि वह तत्काल इसकी रक्षा के लिए कदम उठाए।

महोदय, जेपी लगातार अपने गांव पैदल ही आते थे। गांव के लोगों ने कहा कि राज्य पुनर्गठन आयोग से आप कह दें कि यह गांव किसी एक राज्य और एक जिले में रहे और आने-जाने के लिए सड़क बनाने का भी अनुरोध करें, तो जेपी का जवाब था कि देश के साढ़े पांच लाख गांव मेरे हैं। मैं यदि किसी एक गांव के लिए कहूंगा, तो लोग क्या कहेंगे। चन्द्रशेखर जी ने अपने बूते जयप्रकाश जी का भव्य स्मारक बनवाया। बिहार सरकार ने भी जेपी की स्मृति में बड़ा काम किया और केन्द्र सरकार भी करवा रही है। यदि इस गांव में पहुंचने का एकमात्र रास्ता कट गया, तो बाहरी दुनिया से इसका संपर्क कट जाएगा। अतः मैं आपके माध्यम से आग्रह करना चाहता हूं कि दूसरी आजादी के प्रणेता और आजादी की लड़ाई के बड़े नायक, जयप्रकाश जी की स्मृति में कम से कम इस गांव के आने-जाने का रास्ता तो सुरक्षित किया जाए।

डा. सत्यनारायण जटिया (मध्य प्रदेश): सभापति जी, मैं इस विषय से अपने आप को संबद्ध करता हूँ।

श्रीमती रूपा गांगुली (नाम निर्देशित): सभापति जी, मैं भी इस विषय से अपने आप को संबद्ध करती हूँ।

श्रीमती जया बच्चन (उत्तर प्रदेश): सभापति जी, मैं भी इस विषय से अपने आप को संबद्ध करती हूँ।

डा. सी.पी ठाकुर (बिहार): सभापति महोदय, मैं भी इस विषय से अपने आप को संबद्ध करता हूँ।

श्री प्रभात झा (मध्य प्रदेश): सभापति महोदय, मैं भी इस विषय से अपने आप को संबद्ध करता हूँ।

प्रो. राम गोपाल यादव (उत्तर प्रदेश): सभापति महोदय, मैं भी इस विषय से अपने आप को संबद्ध करता हूँ।

श्री रणविजय सिंह जूदेव (छत्तीसगढ़): सभापति महोदय, मैं भी इस विषय से अपने आप को संबद्ध करता हूँ।

श्री विशम्भर प्रसाद निषाद (उत्तर प्रदेश): सभापति महोदय, मैं भी इस विषय से अपने आप को संबद्ध करता हूँ।

श्री भास्कर राव नेक्कांति (ओडिशा): सभापति महोदय, मैं भी इस विषय से अपने आप को संबद्ध करता हूँ।

डा. चन्द्रपाल सिंह यादव (उत्तर प्रदेश): सभापति महोदय, मैं भी इस विषय से अपने आप को संबद्ध करता हूँ।

श्री नीरज शेखर (उत्तर प्रदेश): सभापति महोदय, मैं भी इस विषय से अपने आप को संबद्ध करता हूँ।

चौधरी सुखराम सिंह यादव (उत्तर प्रदेश): सभापति महोदय, मैं भी इस विषय से अपने आप को संबद्ध करता हूँ।

श्री बेनी प्रसाद वर्मा (उत्तर प्रदेश): सभापति महोदय, मैं भी इस विषय से अपने आप को संबद्ध करता हूँ।

डा. अनिल कुमार साहनी (बिहार): सभापति महोदय, मैं भी इस विषय से अपने आप को संबद्ध करता हूँ।

श्री महेश पोद्दार (झारखंड): सभापति महोदय, मैं भी इस विषय से अपने आप को संबद्ध करता हूँ।

श्री शमशेर सिंह मन्हास (जम्मू और कश्मीर): सभापति महोदय, मैं भी इस विषय से अपने आप को संबद्ध करता हूँ।

SHRI TAPAN KUMAR SEN (West Bengal): Sir, I too associate myself with the matter raised by the hon. Members.

SOME HON. MEMBERS: We also associate ourselves with the matter raised by the hon. Member.

MR. CHAIRMAN: Yes, all the people who are raising their hands, their names can be noted and they can associate themselves with it. Now, Shri Partap Singh Bajwa.

His Zero Hour matter is Stubble Burning in Punjab and Haryana. यह बहुत महत्वपूर्ण विषय है। ...*(Interruptions)*...

Stubble burning in Punjab and Haryana

SHRI PARTAP SINGH BAJWA (Punjab): Sir, I wish to raise a matter of grave concern. The pollution occurring due to the burning of stubble in the States of Punjab, Haryana, western U.P. is of great concern and is affecting the health of our citizens. After the paddy fields are harvested, the farmers clear the stubble by burning it, which causes huge amount of air pollution. The problem of air pollution is compounded by the onset of winter, resulting in dense smog over the National Capital Region. Last year, Sir, the smog levels in Delhi were worse than the Great Smog in Britain in 1952.

The National Green Tribunal and the Supreme Court have ordered bans, but the issue has not been resolved. The farmers need the support of the Government and need financial aid to clear the stubble instead of burning it. Sir, the NITI Aayog say that almost ₹11,000 crores are needed if the farmers had to be paid. मुझे यह गुजारिश करनी है कि यह नेशनल कैपिटल है और हमारी कोशिश है कि दुनिया के जो महान देश हैं, उनमें हिन्दुस्तान का भी नाम हो। Unfortunately, this is a national shame. What the Government of Punjab and Haryana Seek is कि जब पैडी की हार्वेस्टिंग होती है, आप 200 रुपये प्रति क्विंटल फामर्स को दे दीजिए, तो कोई उसको आग नहीं लगायेगा, क्योंकि हर फार्मर का कम से कम तीन से पांच हजार का फी एकड़ खर्चा होता है। And this is not a big price to pay. Sir, from the hon. President, आप भी इधर रहते हैं, पूरी पार्लियामेंट है, प्राइम मिनिस्टर साहब, everybody is here, foreign dignitaries are here, all Embassies are here. सर, पिछले दिनों इंडिया और श्रीलंका का मैच था, Sri Lankan players refused to play in Delhi. Is it not a national shame, Sir? 11,000 करोड़ रुपया कोई बड़ी कीमत नहीं है। इधर हमने 1600 करोड़ का एक राफेल जेट लिया है, तो ये 6-7 जेट्स की ही बात है। इसमें कितने पैसे लगेंगे? तो मेरी गुजारिश यह है, it is of utmost importance. हमारे जो बुजुर्ग हैं, हमारे बच्चे जो हैं, इतनी बड़ी बीमारियां हैं और हमारा कैपिटल उनके रहने के काबिल न हो!

श्री सभापति : ठीक है।

श्री प्रताप सिंह बाजवाः दूसरी तरफ हम यह कहें कि हम एक महान देश बनने को जो सुपर पावर क्लब है, उसे ज्वायन करना चाहते हैं। ...(**व्यवधान**)... मेरी गुजारिश है कि immediately, इसी साल फार्मस को stubble burning रोकने के लिए और अपना यह सारा environment ठीक करने के लिए ...(**व्यवधान**)... ये पैसे दिये जायें।

SHRI ANAND SHARMA (Himachal Pradesh): Sir, I associate myself with the matter raised by the hon. Member.

KUMARI SELJA (Haryana): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.